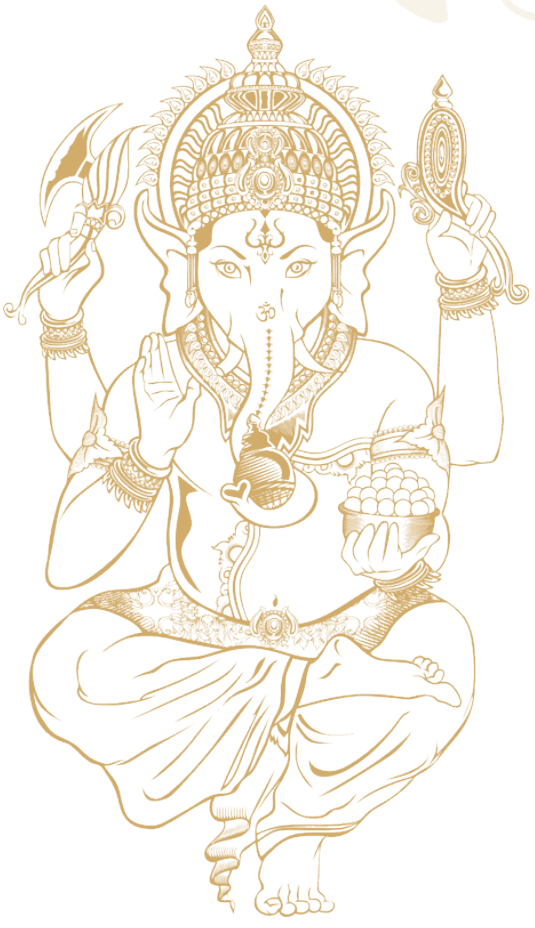

???????? ?????

06 Jul 1989

11:30 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121227006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/07/1989**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	44:31:18 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:03:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:40 घंटे
साम्पातिक काल	18:02:38 घंटे
सूर्योदय	05:41:28 घंटे
सूर्यास्त	19:20:00 घंटे
दिनमान	13:38:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:54:58 मिथुन
लग्न के अंश	07:11:31 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्धि
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:11:31	494:10:50	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
सूर्य			मिथु	20:54:58	00:57:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			सिंह	03:39:44	12:27:02	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कर्क	18:50:41	00:37:28	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	नीच राशि
बुध			मिथु	07:39:58	01:57:09	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	स्वराशि
गुरु			मिथु	01:04:05	00:13:26	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	15:20:02	01:12:51	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	16:35:50	00:04:25	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
राहु			कुंभ	02:40:39	00:00:07	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	02:40:39	00:00:07	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	09:09:11	00:02:22	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप	व		धनु	17:11:09	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		तुला	18:43:39	00:00:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	06:53:36	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:48

लग्न-चलित

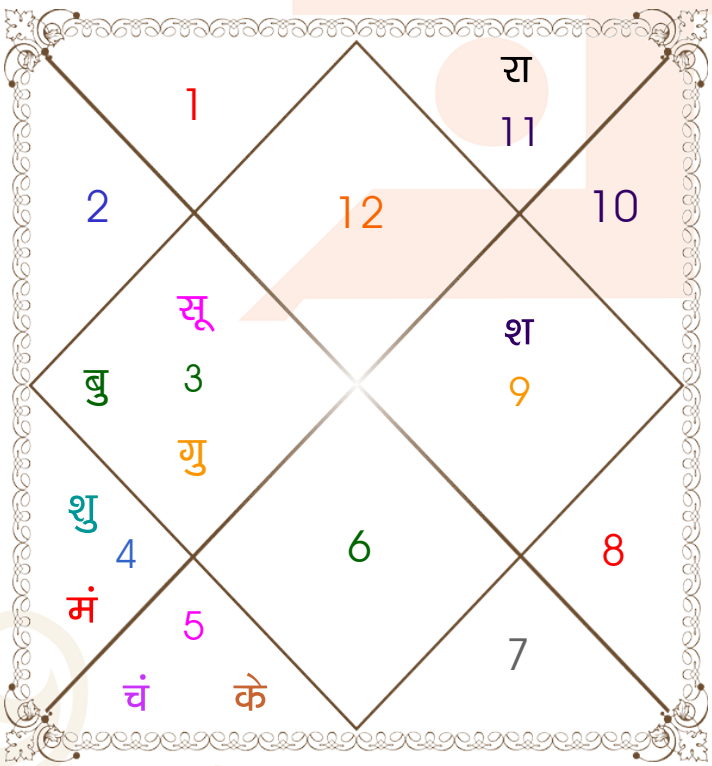

चन्द्र कुंडली

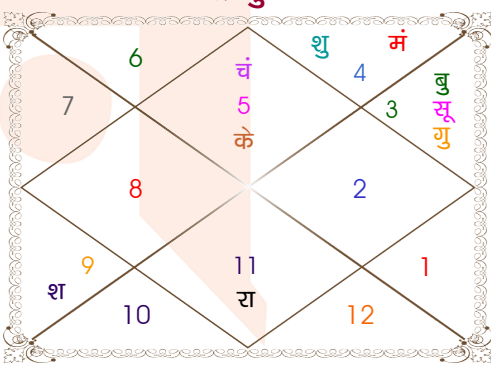

नवमांश कुंडली

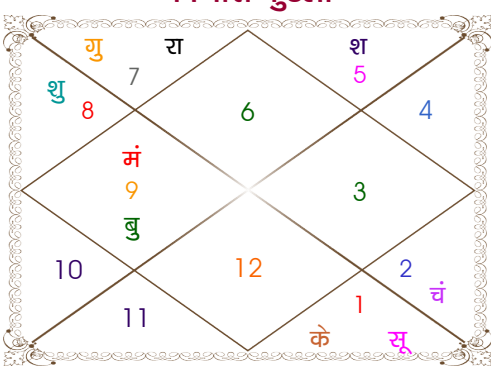

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 0 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/07/1989		04/08/1994		04/08/2014		03/08/2020		04/08/2030	
04/08/1994		04/08/2014		03/08/2020		04/08/2030		04/08/2037	
	00/00/0000	शुक्र	03/12/1997	सूर्य	22/11/2014	चंद्र	04/06/2021	मंगल	31/12/2030
	06/07/1989	सूर्य	04/12/1998	चंद्र	23/05/2015	मंगल	03/01/2022	राहु	19/01/2032
सूर्य	07/07/1989	चंद्र	03/08/2000	मंगल	28/09/2015	राहु	05/07/2023	गुरु	25/12/2032
चंद्र	05/02/1990	मंगल	04/10/2001	राहु	22/08/2016	गुरु	03/11/2024	शनि	02/02/2034
मंगल	05/07/1990	राहु	03/10/2004	गुरु	10/06/2017	शनि	04/06/2026	बुध	31/01/2035
राहु	23/07/1991	गुरु	04/06/2007	शनि	23/05/2018	बुध	04/11/2027	केतु	29/06/2035
गुरु	28/06/1992	शनि	04/08/2010	बुध	29/03/2019	केतु	04/06/2028	शुक्र	28/08/2036
शनि	07/08/1993	बुध	04/06/2013	केतु	04/08/2019	शुक्र	02/02/2030	सूर्य	03/01/2037
बुध	04/08/1994	केतु	04/08/2014	शुक्र	03/08/2020	सूर्य	04/08/2030	चंद्र	04/08/2037

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/08/2037		04/08/2055		04/08/2071		04/08/2090		05/08/2107	
04/08/2055		04/08/2071		04/08/2090		05/08/2107		00/00/0000	
राहु	16/04/2040	गुरु	21/09/2057	शनि	07/08/2074	बुध	31/12/2092	केतु	01/01/2108
गुरु	10/09/2042	शनि	04/04/2060	बुध	16/04/2077	केतु	28/12/2093	शुक्र	03/03/2109
शनि	16/07/2045	बुध	11/07/2062	केतु	26/05/2078	शुक्र	28/10/2096	सूर्य	07/07/2109
बुध	03/02/2048	केतु	17/06/2063	शुक्र	26/07/2081	सूर्य	03/09/2097		00/00/0000
केतु	20/02/2049	शुक्र	15/02/2066	सूर्य	08/07/2082	चंद्र	03/02/2099		00/00/0000
शुक्र	21/02/2052	सूर्य	04/12/2066	चंद्र	06/02/2084	मंगल	31/01/2100		00/00/0000
सूर्य	15/01/2053	चंद्र	04/04/2068	मंगल	17/03/2085	राहु	20/08/2102		00/00/0000
चंद्र	17/07/2054	मंगल	11/03/2069	राहु	22/01/2088	गुरु	25/11/2104		00/00/0000
मंगल	04/08/2055	राहु	04/08/2071	गुरु	04/08/2090	शनि	05/08/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 1 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।